उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

षाण्मासिक पर्यावरणीय जागरूकता (Environmental Awareness) पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्नपत्र

पर्यावरणीय अध्ययन के मूल तत्व

क्रेडिट –02
समय : 03 घण्टे

कुल अंक : 100
सैद्धान्तिक : 80 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन : 20 अंक

इकाई – 1

पर्यावरणीय जागरूकता : अर्थ, उद्देश्य तथा आवश्यकता
पर्यावरणीय शिक्षा : अर्थ, उद्देश्य, दिशा–निर्देशीय सिद्धान्त तथा महत्व
भारत में पर्यावरणीय शिक्षा : औपचारिक एवं अनौपचारिक स्तर, राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय संस्थायें
पर्यावरणीय शिक्षा का अन्य विषयों से सह–सम्बन्ध
पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यक्ति का योगदान

इकाई – 2

पारिस्थितिकी : परिभाषा, इतिहास, बहुआयामी प्रकृति तथा महत्व
पर्यावरण : परिभाषा, प्रकार, विशेषतायें, संरचना तथा महत्व
जैव भू–रासायनिक चक्र : नाइट्रोजन चक्र, ऑक्सीजन चक्र, कार्बन चक्र, जल चक्र, फास्फोरस चक्र
जीवमण्डल : परिभाषा, संरचना तथा महत्व

इकाई – 3

पारिस्थितिकी तन्त्र : परिभाषा, प्रकार, संरचना (जैविक तथा अजैविक घटक) तथा कार्य
पारिस्थितिक तन्त्र में ऊर्जा प्रवाह, खाद्य श्रंखला, खाद्यजाल, पारिस्थितिक पिरामिड
निम्नलिखित पारिस्थितिकी तन्त्रों का अध्ययन :

(अ) वन पारिस्थितिकी तन्त्र
(ब) मरुस्थलीय पारिस्थितिकी तन्त्र
(स) जलीय (तालाब) पारिस्थितिकी तन्त्र

इकाई – 4

प्राकृतिक संसाधन : परिभाषा, प्रकार, महत्व तथा ह्रास का पर्यावरण पर प्रभाव
वन संसाधन : वनों से लाभ, वन विनाश के कारण, वन संरक्षण के उपाय
जल संसाधन : सतही तथा भूमिगत जल, जल का अतिविदोहन, जल संरक्षण के उपाय
ऊर्जा संसाधन : नवीनीकृत तथा अनवीनीकृत ऊर्जा के स्रोत, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का उपयोग

इकाई – 5

भारतीय ईकोचिह्न योजना
पर्यावरण संरक्षण/जागरूकता से सम्बन्धित महत्वपूर्ण दिवस एवं वर्ष
जैव ईंधन : अर्थ एवं महत्व
जैव उर्वरक एवं जैव कीटनाशक
आद्र/नम भूमि : अर्थ एवं महत्व, भारत में नम भूमि की स्थिति, अन्तराष्ट्रीय नम भूमि संरक्षण प्रयास पटाखे तथा मानव जीवन पर उनका दुष्प्रभाव

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा, जिसमें से 80 अंक सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र एवं 20 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं। 80 अंक के सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र में 03 खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 10 अंकों का होगा, जिस में 01–01 अंक के 10 बहुविकल्पीय/अति लघुउत्तरीय/रिक्त स्थान/सत्य–असत्य आदि प्रकार के प्रश्न पूछे जाने हैं। विद्यार्थी को सभी 10 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। द्वितीय खण्ड में 08 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाने हैं जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 05 प्रश्नों के उत्तर देने हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का है। तृतीय खण्ड में 04 विस्तृत उत्तरीय प्रश्न पूछे जाने हैं जिसमें विद्यार्थियों को किन्हीं 02 प्रश्नों का उत्तर देना है तथा प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

षाण्मासिक पर्यावरणीय जागरूकता (Environmental Awareness) पाठ्यक्रम

द्वितीय प्रश्नपत्र

जैव विविधता एवं वन्य जीव विज्ञान

क्रेडिट –02 | कुल अंक : 100
समय : 03 घण्टे | सैद्धान्तिक : 80 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन : 20 अंक

इकाई – 1

जैव विविधता की परिभाषा, प्रकार–प्रजाति विविधता, आनुवंशिक विविधता तथा पारिस्थितिक विविधता
जैव विविधता का महत्व : पर्यावरणीय, उपभोगीय, चिकित्सीय, उत्पादकीय, सामाजिक, नैतिक, सौन्दर्यात्मक, वैकल्पिक आदि
पृथ्वी पर जैव विविधता का वितरण
मानव–वन्यजीव संघर्ष

इकाई – 2

भारत का जैव भौगोलिक वर्गीकरण
वैश्विक, राष्ट्रीय एवं स्थानीय स्तर पर जैव विविधता
एक विशाल जैव विविधता वाले राष्ट्र के रूप में भारत
जैव विविधता के तप्त स्थल : परिभाषा, इतिहास, निर्धारण, राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय स्थलों का विवरण
प्रजातियों की विलोपन के प्रति भेद्यता

इकाई – 3

जैव विविधता को खतरे : प्राकृतिक वास का विनाश, शिकार, प्राकृतिक एव मानव जनित आपदायें, प्रदूषण, झूम खेती, वाह्य जातियों का प्रवेश आदि
जाति विलुप्तिकरण : प्राकृतिक, समूह एवं मानव जनित
जैव विविधता संरक्षण : स्वस्थाने एवं बहिस्थाने संरक्षण विवरण
भारत की विलुप्त, संकट ग्रस्त तथा स्थानिक प्रजातियाँ
आई.यू.सी.एन. की लाल सूची श्रेणियाँ

इकाई – 4

वन्य जीव : परिभाषा एवं महत्व (व्यवसायिक, आनुवांशिक पूल, प्रायोगिक, पर्यावरणीय, शोध क्षेत्रीय आदि)
वन्य जीवों का सामाजिक जीवन : क्षेत्र रक्षण व्यवहार, प्रवासी व्यवहार, प्रजनन व्यवहार
वन्य जीवों का जीवन चक्र : राष्ट्रीय पशु बाघ, राष्ट्रीय पक्षी मोर, रेशम का कीट

इकाई – 5

वन्य जीव निर्दयता : कारण एवं निवारण

वन्य जीव संरक्षण/परियोजनाएँ : गौरैया पक्षी संरक्षण, बाघ परियोजना, हाथी परियोजना, हिमालय कस्तूरी मृग परियोजना

कन्वेन्शन आन इन्टरनेशनल ट्रेड ऑफ एनडेन्जर्ड स्पीशिज ऑफ फ्लोरा एण्ड फोना

वन्य जीव व्यापार

भारतवर्ष में वन्यजीव संरक्षण : परम्परागत तथा आधुनिक दृष्टिकोण

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा, जिसमें से 80 अंक सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र एवं 20 अंक आन्तरि मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं। 80 अंक के सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र में 03 खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 1 अंकों का होगा, जिस में 01–01 अंक के 10 बहुविकल्पीय/अति लघुउत्तरीय/रिक्त स्थान/सत्य–असत्य आदि प्रकार के प्रश्न पूछे जाने हैं। विद्यार्थी को सभी 10 प्रश्नों का उत्त देना अनिवार्य है। द्वितीय खण्ड में 08 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाने हैं जिनमें से विद्यार्थी क किन्हीं 05 प्रश्नों के उत्तर देने हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का है। तृतीय खण्ड में 04 विस्तृ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाने हैं जिसमें विद्यार्थियों को किन्हीं 02 प्रश्नों का उत्तर देना है तथा प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

षाण्मासिक पर्यावरणीय जागरूकता (Environmental Awareness) पाठ्यक्रम

तृतीय प्रश्नपत्र

पर्यावरणीय समस्यायें तथा अधिनियम

क्रेडिट –02
समय : 03 घण्टे

कुल अंक : 100
सैद्धान्तिक : 80 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन : 20 अंक

इकाई – 1

प्रदूषण एवं प्रदूषक का सामान्य परिचय
विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों (वायु, जल, मृदा, ध्वनि, नाभिकीय) की परिभाषा, स्रोत, प्रभाव तथा निवारण

इकाई – 2

भू–मण्डलीय तापन : अर्थ, कारण, प्रभाव, नियंत्रण एवं वैश्विक प्रतिक्रिया
अम्लीय वर्षा : अर्थ, कारण, प्रभाव एवं नियंत्रण
ओजोन परत का क्षरण : अर्थ, कारण, प्रभाव, अन्टार्कटिका पर ओजोन क्षय, नियंत्रण एवं वैश्विक प्रतिक्रिया
मानव जनसंख्या वृद्धि : कारण, पर्यावरण पर प्रभाव तथा नियंत्रण
जैव आवर्धन की समस्या एवं निवारण
जैव अनिम्नीकृत पदार्थों की समस्या एवं निवारण

इकाई – 3

आपदा : अर्थ एवं प्रकार (प्राकृतिक एवं मानव जनित)
प्राकृतिक आपदाओं (बाढ, भूकम्प, सूखा, भूस्खलन, सुनामी, चक्रवात) के कारण, प्रभाव एवं प्रबन्धन के उपाय
ठोस अपशिष्ट : परिभाषा, स्रोत, प्रभाव एवं प्रबन्धन

इकाई – 4

पर्यावरणीय आन्दोलन : चिपको आन्दोलन, साइलेन्ट वैली आन्दोलन, राजस्थान का विशनोई समाज, दिल्ली में सी.एन.जी. चलित वाहनों का संचालन
पर्यावरणीय नैतिकता
समपोषणीयता तथा समपोषित विकास की संकल्पना
वर्षा जल संरक्षण (Rain Water Harvesting)
पर्यावरणीय संरक्षण में सूचना प्रौद्योगिकी का महत्व
पर्यावरणीय संरक्षण में आम आदमी की भूमिका

इकाई – 5

पर्यावरणीय कानून : पर्यावरण सुरक्षा कानून–1986, वायु (प्रदूषण रोकथाम व नियन्त्रण) अधिनियम–198
जल (प्रदूषण रोकथाम व नियन्त्रण) अधिनियम–1974, वन्य जीव सुरक्षा अधिनियम–1972, वन संरक्षा
अधिनियम–1980

अन्तर्राष्ट्रीय समझौते : मान्ट्रियल प्रोटोकॉल, क्योटो प्रोटोकॉल, रियो कन्वेंशन

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा, जिसमें से 80 अंक सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र एवं 20 अंक आन्तरि मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं। 80 अंक के सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र में 03 खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड अंकों का होगा, जिस में 01–01 अंक के 10 बहुविकल्पीय/अति लघुउत्तरीय/रि स्थान/सत्य–असत्य आदि प्रकार के प्रश्न पूछे जाने हैं। विद्यार्थी को सभी 10 प्रश्नों का उ देना अनिवार्य है। द्वितीय खण्ड में 08 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाने हैं जिनमें से विद्यार्थी किन्हीं 05 प्रश्नों के उत्तर देने हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का है। तृतीय खण्ड में 04 वि उत्तरीय प्रश्न पूछे जाने हैं जिसमें विद्यार्थियों को किन्हीं 02 प्रश्नों का उत्तर देना है तथा प्र प्रश्न 20 अंक का है।

उत्तराखण्ड सस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

षाण्मासिक पर्यावरणीय जागरूकता (Environmental A

चतुर्थ प्रश्न पत्र

संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चेतना :

क्रेडिट –02

समय : 03 घण्टे

इकाई – 1

वैदिक साहित्य में पर्यावरण चेतना एवं संरक्षण के उपाय

(यथा–मन्त्र मित्रस्याहं चक्षुषा समीक्षे..ऋग्वेदीय शान्तिपाठमन्त्र –द्यौः शान्तिः .....वनस्पतयः.....)

(क) ऋग्वेद – 9/11/3 (ख) यजुर्वेद – 36/10 (ग) यजुर्वेद – 36/

(घ) यजुर्वेद – 16/34 (ङ) अथर्ववेद – 18/01/17

इकाई – 2

कालिदास साहित्य में पर्यावरण चेतना एवं संरक्षण

(क) मेघदूत से पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धित कोई 10 प्रमुख श्लोक

(ख) ऋतुसंहारः से पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धित कोई 10 प्रमुख श्लोक

इकाई – 3

अभिज्ञान शाकुन्तलम् से पर्यावरण संरक्षण

(क) जैविक एवं अजैविक घटकों के संरक्षण से सम्बन्धित कोई 10 प्रमुख श्लोक यथा–

1. न खलु न खलु बाणः सन्निपात्योऽयमास्मिन् 1/10
2. पातुं न प्रथमं..... 4 अंक
3. आर्त्तत्राणाय वः शस्त्रम्.....

इकाई – 4

(क) मत्स्यपुराण में पर्यावरण संरक्षण (यथा–दश पुत्र समो द्रुमः)

(ख) रामायण में जीव हिंसा निषेध (यथा– मा निषाद प्रतिष्ठां)

(ग) महाभारत में पर्यावरण एवं वन तथा नदी संरक्षण (यथा– वनानि रम्याणि सरित्सरांसि, वल्ली वेष्टयते वृक्षम्.....)

(घ) स्मृतियों में पर्यावरण चेतना एवं संरक्षण उपाय

इकाई – 5

संस्कृत साहित्य में प्रदूषण एवं निवारण के उपाय

(क) संस्कृत साहित्य की दृष्टि से विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों की परिभाषा, स्रोत, प्रभाव तथा निवारण

(ख) वृहत्संहिता में पक्षी एवं शकुन/अपशकुन विचार प्रकरण का पर्यावरण की दृष्टि से अध्ययन

(ग) वैशेषिक दर्शन में पर्यावरणीय तत्त्व (यथा– वृक्षों में चैतन्य का वर्णन)

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा, जिसमें से 80 अंक सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र एवं 20 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं। 80 अंक के सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र में 03 खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 10 अंकों का होगा, जिस में 01–01 अंक के 10 बहुविकल्पीय/अति लघुउत्तरीय/रिक्त स्थान/सत्य–असत्य आदि प्रकार के प्रश्न पूछे जाने हैं। विद्यार्थी को सभी 10 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। द्वितीय खण्ड में 08 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाने हैं जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 05 प्रश्नों के उत्तर देने हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का है। तृतीय खण्ड में 04 विस्तृत उत्तरीय प्रश्न पूछे जाने हैं जिसमें विद्यार्थियों को किन्हीं 02 प्रश्नों का उत्तर देना है तथा प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।